



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधानकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 446] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 5, 1991/अग्रहायन 14, 1913
No. 446] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 5, 1991/AGRAHAYANA 14, 1913

इस भाग में इन पृष्ठ संख्या के नाते ही नियम से कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिकूचतान

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1991

सं. 155/91-सोमाशुक्र

मा.का.नि. 720(अ) ---केन्द्रीय सरकार, 3.माशुक्र अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की
धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अक्षियों का प्रयोग करते हुए, यह स्पावान हो जाने पर कि लोकहित
में ऐसा करना आवश्यक है, तोचे मारणी के स्तंभ (2) में विनियोग और सोमाशुक्र टैरिक अधिनियम, 1975

(1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 85 के व्यवसंपत्ति प्राने वाले माल को जब उसका प्रेस और पुस्तक रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1867 (1867 का 25) को धारा 19क के व्यवोन नियुक्त भारत के समाचारण। रजिस्ट्रार के प.स. रजिस्ट्रीकृत किसी समाचारपत्र स्थापन द्वारा भारत में आयात किया जाता है।—

- (i) उक्त पहली अनुसूची में विनिविष्ट उम पर उद्घाटनीय समाशुल्क के उन्ने भाग में अंततः मूल्य के 10 प्रतिशत की दर से संगणित रकम में अधिक है, और
- (ii) सीमापूर्वक टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) को धारा 3 के अंतीन उस पर उद्घाटनीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से; इस शर्त के व्यवोन रहने द्वारा, दूर्दृष्टि है कि आयातकारी आयत के समय में साशुल्क सहायक कलेक्टर के भवधत—
- (i) भारत के समाचार पत्र रजिस्ट्रार द्वारा जारी किया गया एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है जिसमें इस अधिसूचना के अंतीम छूट दिए जाने की सिफारिश की जाती है; और
- (ii) इस आयात का एक वचनबंध प्रस्तुत करता है कि उक्त माल उसके कल्पे, नियंत्रण और उपयोग में रहेगा तथा आयात किए जाने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक उसका विकल्प नहीं किया जाएगा या उससे विलग नहीं किया जाएगा और यदि उक्त माल को हत्यास्वात् विकल्प किया जाता है तो विकल्प मारने के समाचारपत्र रजिस्ट्रार से दी गई गई मनुका के अंतीन होगा।

सारणी

क्रम सं.

माल का वर्णन

1. समाचारपत्र पृष्ठ पारेषण और असिग्नहृण अनुलिपि प्रणाली।
2. टेलीफोनो पारेषण और असिग्नहृण प्रणाली।

[फा. सं. 348/44/91-सी भारत]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 5th December, 1991

No. 155/91-CUSTOMS

G.S.R. 720(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in column (2) of the Table below, and falling within Chapter 85 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India by a newspaper establishment registered with the

Registrar of Newspapers for India appointed under section 19A of the Press and Registration of Books Act, 1867 (25 of 1867), from—

- (i) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of 10 per cent advalorem, and
- (ii) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975);

subject to the condition that the importer at the time of import produces before the Assistant Collector of Customs—

- (1) a certificate issued by the Registrar of Newspapers for India recommending the grant of exemption under this notification; and
- (2) an undertaking to the effect that the said goods shall remain in his possession, control and use and shall not be sold or parted with for a period of five years from the date of importation and in case the said goods are sold thereafter, the sale shall be subject to the permission granted from the Registrar of Newspapers for India.

TABLE

S. No. Description of goods

(1) (2)

1. Newspaper page transmission and reception facsimile system.
2. Telephoto transmission and reception system.

[F. No. 346/44/91-TRU]

म. 156/91-मीमांगुलक

सा. का. नि. 721(भ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त विभाग, 1991 (1991 का 18) को धारा 3 की उपधारा (4) के माध्यम से प्रदत्त सीमांशुलक विधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त विधिनियम का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि सोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की विधिसूचना म. 27/91-मीमांगुलक, तारीख 14 मार्च 1991 में निम्नलिखित शौर संशोधन करती है, प्रथमतः—

उक्त विधिसूचना की अनुमूली में, क्रम सं. 73 और उभयं सरवित्त प्रविधित के पश्चात् निम्नलिखित क्रम से शौर प्रविधित अंतःस्थापित की जाएगी, प्रथमतः—

‘74 म. 155/91-मीमांगुलक, तारीख 5 दिसम्बर, 1991।’

[का. स. 346/44/91-टीआरयू]
या. आ. हरिहरा, प्रा. र सचिव

NO. 156/91-CUSTOMS

G.S.R. 721(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 3 of the Finance Act, 1991 (18 of 1991), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 27/91-Customs, dated the 14th March, 1991, namely :—

In the Schedule to the said notification, after Sl. No. 73 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and the entry shall be inserted, namely :—

“74. No. 155/91-Customs, dated the 5th December, 1991.”.

[F. No. 346/44/91-TRU]

V. V. HARIHARAN, Under Secy.